







शिखर बने उतुंग, शिखर अपने प्रताप से।  
डरे कभी वह नहीं, किसी के उग्र शाप से।

## संपादकीय



## मिसाइल सुरक्षा

लिस्टिक मिसाइल रक्षा प्रणाली के निर्माण में भारत का आगे बढ़ाना सुखद और स्वागतमोय है। यह देश के लिए खुशखबरी है कि रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) ने बुधवार को 5,000

किलोमीटर की दूरी तक मार करने वाली मिसाइलों को नाकाम करने की क्षमता का सफल परीक्षण किया है। बुधवार सुबह से ही बालापोर, ओडिशा के समुद्री तट के आसपास के गांवों में बड़ी हलचल थी कि वैज्ञानिकों कोई बड़ा प्रयोग करने जा रहे हैं। अंग्रेज मुख्यालयी भी दिया गया था। बुधवार देव शम ही यह स्पष्ट हुआ कि आसपास में उड़ी दुम्पन की सुरक्षित स्थान पर पहुंचने के साथ ही उड़े अंग्रेज मुख्यालयी भी दिया गया है। यह भारत की वैलिस्टिक मिसाइल रक्षा प्रणाली की दूसरे चरण की सफलता का अंकर है। मतलब जल्द ही, भारत अपने महत्वर्ण शहरों से आसपास ऐसा मिसाइल सुरक्षा तंत्र स्थापित करेगा, जिससे दुम्पन की ओर से आ रही खतरनाक मिसाइल को आसान में नष्ट किया जा सके। अपनी विशाल आवादी की रक्षा के लिए भारत के

पास यह सुरक्षा तंत्र होना ही चाहिए।

परीक्षण भी बहुत दिलचस्प ढंग से किया गया। पहले एक मिसाइल को दुम्पन की मिसाइल की तरह दग्ध गया और उसके बाद जीवन व समृद्धि के लिए भी खतरा नहीं सेवन की जीवन से वैलिस्टिक मिसाइल ने उड़ान भरी और टाराएट से घास में ऊर ही जा टकराया। वैसे तो भारत कम दूरी, मध्यम दूरी और बहुत लंबी दूरी की मिसाइल बनाने में सक्षम है, पर आज के समय में मिसाइल बनाना जितना जल्दी है, उतना ही आवश्यक मिसाइलों से बचने की क्षमता विकसित करना भी है। एक प्रीक्षण में सबसे बड़ी सफलता दुम्पन की मिसाइल का पाता लगाने की क्षमता है, जिसे सालों तक कम कमल बनाने की कोशिश में भारतीय वैज्ञानिक लगे हुए हैं। भारत अपना पुख्ता मिसाइल रक्षा कार्यक्रम के फले चरण को पूरा कर चुका है,

जबकि दूसरे चरण में नई श्रेणी के इंटरसेट सिस्टम को पुख्ता करने का काम चल रहा है। कम दूरी की मिसाइलों को मार गिराने की क्षमता भारत के पास पहले से ही है और अब 5,000 किलोमीटर दूर से अपने बाली मुकाबले पर पहुंच रही।

चूंकि भारत की नीति कभी भी पहले हमला करने की नहीं रही है, इसलिए भी उसे मिसाइलों का जबाब देने में सक्षम होना चाहिए। आगे के लिए यह मानकर चलना चाहिए कि जब भी युद्ध होगा, भारत का मुकाबला मिसाइलों को बोर्ड से होगा, अतः उसे सुरक्षा का कारब तैयार करना समय की मांग है। भारत ने एस-400 नाम का मिसाइल सुरक्षा कारब रूस से लिया है। अभी कुछ और की आपूर्ति होनी है। वास्तव में, हमें अपना पुख्ता मिसाइल सुरक्षा कारब चिकित करना चाहिए।

## प्रभात ज्ञा पत्रकारिता एवं राष्ट्रवादी सोह के पुरोधा-पुरुष

■ ललित गर्ग, वरिष्ठ संस्कारक

**P**त्रकारिता के एक महान् पुरुष पुरुष, मजबूत कलम एवं निर्भावक वैचारिक कार्यकों के सुनिधार, उत्कृष्ट राष्ट्रवादी, भाजपा के तेजी और भाजपा मुख्यमंत्री 'कमल' के मुख्य सम्पादक प्रभात ज्ञा अब हमारे बीच नहीं है। वे 67 वर्ष की उम्र में 26 जुलाई, 2024 को प्रातः 5 बजे गुरुग्राम के मेंदानी अस्पताल में जिन्दगी एवं मौत के बीच जूँझे हुए हर गये, आरप्त मौत जीत गयी। एक संभावनाओं भरा हिंदी पत्रकारिता, स्वच्छ राजनीति एवं राष्ट्रीय विचारों का सफर तरवर गया, उनका निधन न कवेल पत्रकारिता के लिए, भारत का जिनवास पर एसोसिएशन एवं राष्ट्रीय विचारों के लिए भारतीय विचारक भाजपा की राष्ट्रवादी राजनीति पर एक गहरा आघात है, अपूर्णीय क्षमता है। प्रभात ज्ञा का जीवन सफर आरामों एवं मूल्यों की पत्रकारिता के लिए गतिशील रहा। उनका निधन एक युग की समाप्ति है।

प्रभात ज्ञा पत्रकार, लेखक संस्कारक रहे हैं, वही उनका राजनीति जीवन की भी प्रेक्ष रहा है। वे मध्य प्रदेश राज्य से राजसम्पादक के सदर्य रह चुके हैं। वे 2010 से दिसंबर 2023 तक मध्य प्रदेश भारतीय जनता पार्टी की अध्यक्ष रहे हैं। वही जो दौरे रहा जिसमें मध्य प्रदेश से भाजपा की गढ़ी गयी। उनका निधन में वे भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रवादी राजनीति पर एक गहरा आघात है, अपूर्णीय क्षमता है। प्रभात ज्ञा का जीवन सफर आरामों एवं मूल्यों की पत्रकारिता पत्रकारिता के लिए, भारत के जिनवास पर एसोसिएशन एवं राष्ट्रीय विचारों के लिए भारतीय विचारक भाजपा की राष्ट्रवादी राजनीति पर एक गहरा आघात है, अपूर्णीय क्षमता है।

प्रभात ज्ञा का जीवन की दृष्टि राजनीति के लिए गतिशील रहा। उनका निधन एक युग की समाप्ति है।

प्रभात ज्ञा का जीवन की दृष्टि राजनीति के लिए गतिशील रहा। उनका निधन एक युग की समाप्ति है।

प्रभात ज्ञा का जीवन की दृष्टि राजनीति के लिए गतिशील रहा। उनका निधन एक युग की समाप्ति है।

प्रभात ज्ञा का जीवन की दृष्टि राजनीति के लिए गतिशील रहा। उनका निधन एक युग की समाप्ति है।

प्रभात ज्ञा का जीवन की दृष्टि राजनीति के लिए गतिशील रहा। उनका निधन एक युग की समाप्ति है।

प्रभात ज्ञा का जीवन की दृष्टि राजनीति के लिए गतिशील रहा। उनका निधन एक युग की समाप्ति है।

प्रभात ज्ञा का जीवन की दृष्टि राजनीति के लिए गतिशील रहा। उनका निधन एक युग की समाप्ति है।

प्रभात ज्ञा का जीवन की दृष्टि राजनीति के लिए गतिशील रहा। उनका निधन एक युग की समाप्ति है।

प्रभात ज्ञा का जीवन की दृष्टि राजनीति के लिए गतिशील रहा। उनका निधन एक युग की समाप्ति है।

प्रभात ज्ञा का जीवन की दृष्टि राजनीति के लिए गतिशील रहा। उनका निधन एक युग की समाप्ति है।

प्रभात ज्ञा का जीवन की दृष्टि राजनीति के लिए गतिशील रहा। उनका निधन एक युग की समाप्ति है।

प्रभात ज्ञा का जीवन की दृष्टि राजनीति के लिए गतिशील रहा। उनका निधन एक युग की समाप्ति है।

प्रभात ज्ञा का जीवन की दृष्टि राजनीति के लिए गतिशील रहा। उनका निधन एक युग की समाप्ति है।

प्रभात ज्ञा का जीवन की दृष्टि राजनीति के लिए गतिशील रहा। उनका निधन एक युग की समाप्ति है।

प्रभात ज्ञा का जीवन की दृष्टि राजनीति के लिए गतिशील रहा। उनका निधन एक युग की समाप्ति है।

प्रभात ज्ञा का जीवन की दृष्टि राजनीति के लिए गतिशील रहा। उनका निधन एक युग की समाप्ति है।

प्रभात ज्ञा का जीवन की दृष्टि राजनीति के लिए गतिशील रहा। उनका निधन एक युग की समाप्ति है।

प्रभात ज्ञा का जीवन की दृष्टि राजनीति के लिए गतिशील रहा। उनका निधन एक युग की समाप्ति है।

प्रभात ज्ञा का जीवन की दृष्टि राजनीति के लिए गतिशील रहा। उनका निधन एक युग की समाप्ति है।

प्रभात ज्ञा का जीवन की दृष्टि राजनीति के लिए गतिशील रहा। उनका निधन एक युग की समाप्ति है।

प्रभात ज्ञा का जीवन की दृष्टि राजनीति के लिए गतिशील रहा। उनका निधन एक युग की समाप्ति है।

प्रभात ज्ञा का जीवन की दृष्टि राजनीति के लिए गतिशील रहा। उनका निधन एक युग की समाप्ति है।

प्रभात ज्ञा का जीवन की दृष्टि राजनीति के लिए गतिशील रहा। उनका निधन एक युग की समाप्ति है।

प्रभात ज्ञा का जीवन की दृष्टि राजनीति के लिए गतिशील रहा। उनका निधन एक युग की समाप्ति है।

प्रभात ज्ञा का जीवन की दृष्टि राजनीति के लिए गतिशील रहा। उनका निधन एक युग की समाप्ति है।

प्रभात ज्ञा का जीवन की दृष्टि राजनीति के लिए गतिशील रहा। उनका निधन एक युग की समाप्ति है।

प्रभात ज्ञा का जीवन की दृष्टि राजनीति के लिए गतिशील रहा। उनका निधन एक युग की समाप्ति है।

प्रभात ज्ञा का जीवन की दृष्टि राजनीति के लिए गतिशील रहा। उनका निधन एक युग की समाप्ति है।

प्रभात ज्ञा का जीवन की दृष्टि राजनीति के लिए गतिशील रहा। उनका निधन एक युग की समाप्ति है।

प्रभात ज्ञा का जीवन की दृष्टि राजनीति के लिए गतिशील रहा। उनका निधन एक युग की समाप्ति है।

प्रभात ज्ञा का जीवन की दृष्टि राजनीति के लिए गतिशील रहा। उनका निधन एक युग की समाप्ति है।

प्रभात ज्ञा का जीवन की दृष्टि राजनीति के लिए गतिशील रहा। उनका निधन एक युग की समाप्ति है।

प्रभात ज्ञा का जीवन की दृष्टि राजनीति के लिए गतिशील रहा। उनका निधन एक युग की समाप











